मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

# MHD-18

## हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

## ( एम. ए. हिन्दी )

## ( एम. एच. डी. )

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2022

## एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

*समय : 2 घण्टे* *अधिकतम अंक : 50*

---

***नोट :*** *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. 'दलित चेतना' का आशय स्पष्ट करते हुए दलित साहित्य की अवधारणा पर प्रकाश डालिए। 10

2. ज्योतिबा फुले के सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलनों के महत्व की विवेचना कीजिए। 10

3. दलित साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 10

4. "डॉ. अम्बेडकर का जाति-उन्मूलन सिद्धान्त वैज्ञानिक और जनतांत्रिक परम्परा को विकसित करता है।" विवेचना कीजिए। 10

5. निराला के साहित्य में अभिव्यक्त दलित संवेदना का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए। 10

6. दलित साहित्य में मिथकों के अभिप्राय की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 10

7. दलित साहित्य लेखन के योगदान की समीक्षा कीजिए। 10

8. नारायण गुरु के चिंतन में स्त्री मुक्ति चेतना की विवेचना कीजिए। 10

9. डॉ. अम्बेडकर के धर्म संबंधी चिंतन की विवेचना कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) 'अछूत की शिकायत' कविता का मूल्यांकन

(ख) पेरियार के धार्मिक विचार

(ग) स्वामी अछूतानंद के सामाजिक सुधार आन्दोलन

(घ) दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र